शांतिवन। 80वीं शिव जयंती पर डायमण्ड हॉल में ध्वजारोहण के पश्चात् दादी जानकी, दादी हृदयमोहिनी, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु. निर्वैर, ब्र.कु. रमेश शाह, ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु. भूपाल, ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.क. करुणा व अन्य। सभा में करीब सौ देशों से आये 25000 ब्र.कु. भाई बहनों ने इस अद्भुत घड़ियों का आनंद लिया व स्वयं को ज्ञान व खुशियों से भरपूर किया।

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करने के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति में लोकमत समूह के एडिटोरियल बोर्ड के चेयरमैन एवं सांसद विजय दर्डा, ब्र.कु. शिवानी, फिल्म अभिनेता सुरेश ओबेरॉय, ब्र.कु. पुष्पारानी व अन्य।

गया है जिसके कारण क्रोध, भय, अशांति, उदासी आदि भावों ने घेर लिया है। जब हम उदास, भयभीत, क्रोध में रहते हैं तो कलियुग में होते हैं। कलि ायुग में जीना है या सतयुग में जीना है, यह हमारी च्वाइस है।

उन्होंने गुस्से का कारण और उससे होने वाली हानियों के बारे में बताते हुए कहा कि हमें गुस्सा तब आता है जब हमारी अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं, कोई हमें ठेस पहुंचाता है, हम चाहते हैं कि हर कोई हमारे अनुसार चले, लेकिन हमें समझना होगा कि अपेक्षाओं का कोई अंत नहीं है। कलियुग में अपेक्षाएं बढ़ती जा रही हैं। यदि आप शांत रहना चाहते हैं तो न अपेक्षाएं रखें और न दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करने में खुद को खपा दें।

जीवन का सार, कोई नहीं है हमारे अनुसार

उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल संभव नहीं है कि लोग मेरे अनुसार हों। हम भूल जा रहे हैं कि जो-जो हो रहा है या लोग जो-जो कर रहे हैं वह खुद को सही मानकर कर रहे हैं। जो दूसरों के लिए सही है वह हमारे लिए गलत हो सकता है, जो दूसरों के लिए गलत है वो हमारे लिए सही हो सकता है। हम गुस्सा करते हैं तो इसकी तरंगें उस व्यक्ति के मन तक पहुंचती हैं जिसे हम डांट रहे हैं या जिसके बारे में हम गलत विचार कर रहे हैं।

डॉक्टर्स के लिए आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. शिवानी, ब्र.कु. पुष्पारानी तथा डॉक्टर्स।

वह हमें किसी न किसी रूप में प्रभावित करता है। हमारे स्वयं के क्रोध का असर दूसरे से ज़्यादा हमारे ऊपर पड़ता है और वह सबसे पहले मस्तिष्क और फिर पूरे शरीर को प्रभावित करता है।

हमें यह समझना होगा कि हर आत्मा अपने-अपने संस्कार, नज़रिए और सोच के साथ विचार करती है। इसलिए वह व्यक्ति गलत है, यहाँ हमें `गलत' शब्द के बजाए `अलग' शब्द का उपयोग करना चाहिए।

आत्मा रिकॉर्डेड सीडी की तरह

परमात्मा का जादू ऐसा है कि हमारे पुराने

कार्यक्रम के दौरान सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हुए कलाकार।

अनुभव का यही सार... - पेज 1 का शेष...

संस्कार बदल सकते हैं। हमारे कपड़े पुराने हैं, हमारा शरीर 32 साल पुराना है, लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि हमारी आत्मा की उम्र क्या है, उसने न जाने कितने शरीर बदले हैं और हर शरीर में रहते हुए उसपर अनगिनत सीन और संस्कार रिकॉर्ड हुए हैं। आत्मा एक सीडी की तरह है। इस सीडी में अलग-अलग गाने हैं। हम अपनी सीडी के अनुसार दूसरी सीडी से गाना बजाना चाहते हैं, यह कैसे हो सकता है? दो आत्माओं का विवाह दो सीडी के साथ रहने की तरह है। कुछ दिन बाद एक और आत्मा साथ में आ जाती है। हम समझते हैं कि यह ब्लैंक सीडी है, लेकिन वास्तव में वह तो पहले से रिकॉर्डेड है। हम बच्चे से अपेक्षा करते हैं कि वह हमारे अनुसार चले, जब यह नहीं होता तो हमें क्रोध आता है।

कार्यक्रम में लोकमत समूह के एडिटोरियल बोर्ड के चेयरमैन एवं सांसद विजय दर्डा ने ब्र.कु. शिवानी और फिल्म अभिनेता सुरेश ओबेरॉय का शॉल-श्रीफल के साथ सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिवानी बहन इंजीनियरिंग की गोल्ड मेडलिस्ट हैं लेकिन उन्होंने आध्यात्मिक जीवन को प्राप्त किया है। ज्योत्सना जी उन्हें टी.वी. पर देखा करती थीं और उन्होंने ही हमें भी इनका कार्यक्रम पहली बार टी.वी. पर दिखाया था, तब से हमारी इच्छा थी कि शिवानी बहन एक बार ज़रूर नागपुर आएं और हमारे भीतर छिपे `मैं' को बाहर निकालें और हमारा उससे परिचय कराएं। हमारा देश उनके कारण दुनिया भर में जाना जाता है। हमारी संस्कृति में जो धन छिपा है, उसे उन्होंने दुनिया को दिखाने का प्रयास किया है।

सुरेश ओबेरॉय ने सुनाया अनुभव

फिल्म अभिनेता सुरेश ओबेरॉय ने अपने जीवन में आए परिवर्तन की कहानी सुनाई। उन्होंने बताया कि किस तरह से उनके जीवन से गुस्सा और गुरूर समाप्त हुआ। इसका सारा श्रेय ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय को देते हुए उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी जैसी बहनें पूरी दुनिया में नहीं हैं। मेरा तो जीवन ही बदल गया है। कार्यक्रम में ब्र.कु. पुष्पारानी दीदी ने भी अपने आशीर्वचन दिए। मंच पर प्रमुखता से ब्र.कु. रजनी और सुशील अग्रवाल उपस्थित थे।

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी के साथ ज्ञानचर्चा करते हुए प्रकाश मेहता,महाराष्ट्र कैबिनेट मिनिस्टर फॉर हाऊसिंग-माइनिंग व ब्र.कु. निकुंज,मुम्बई।

भैरहवा-नेपाल। नेपाल के प्रधानमंत्री माननीय के.पी. शर्मा ओली को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. शान्ति व ब्र.कु. भूपेन्द्र अधिकारी।

काठमाण्डू-नेपाल। `राष्ट्रीय सद्भाव एवं विश्व शान्ति' विषयक प्रवचन कार्यक्रम में माननीय उपप्रधानमंत्री व महिला, बालबालिका एवं समाज कल्याण मंत्री सी.पी. मैनाली को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. राज दीदी।

शांतिवन। ओमशान्ति मीडिया कार्यालय को भेंट देने के पश्चात् सेना के वरिष्ठ अधिकारी डायरेक्टर मैनपावर कर्नल अशोक अघाव को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. गंगाधर। साथ हैं ब्र.कु. दीपक हरके।

निम्बाहेड़ा-राज.। शिवध्वजारोहण के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति में नगरपालिका अध्यक्ष शंकर लाल राजोरा, बी.जे.पी. पार्षद वर्षा बहन, कांग्रेस पार्षद एकता बहन, ब्र.कु. भूपाल,शांतिवन प्रबंधक, ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. शिवली, ब्र.कु. दीपक व अन्य समाजसेवी।